दिल्ली-महरौली। महाशिवरात्रि के अवसर पर कार एवं मोटरसाइकिल द्वारा शिव संदेश यात्रा का हरी झण्डी दिखाकर एवं गुब्बारे उड़ाकर शुभारंभ करते हुए विधायक नरेश यादव, पूर्व काउंसलर पुष्पा सिंह, ब्र.कु. अनीता तथा अन्य।

मैनपुरी-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित वरदानी भवन पर 82वीं शिव जयंती के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए विधायक राम नरेश अग्निहोत्री, ब्र.कु. अबन्ति तथा अन्य।

नई दिल्ली-हरिनगर। महाशिवरात्रि के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. अनुसुइया, विधायक जगदीप सिंह, वाइस एडमिरल एस.एन. घोड़मड़े, डी.जी. नवल,ऑपरेशन्स,इंडियन नेवी, प्रो. डॉ. पी. एन. शास्त्री,वी.सी.,राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, डॉ. सुरीन्दर पाल,ज्वाइंट डायरेक्टर,आई.सी.ए.आई. तथा अन्य।

हाजीपुर-बिहार। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित शिव संदेश शांति यात्रा का बैलून उड़ाकर शुभारंभ करते हुए नगर परिषद उपसभापति रमा निषाद, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजली, ब्र.कु. आरती तथा अन्य।

बिहार शरीफ-बिहार। त्रिमूर्ति शिव जयंती के कार्यक्रम में केक काटते हुए मेयर वीणा कुमारी, ब्र.कु. अनुपमा, ब्र.कु. पूनम तथा अन्य।

कन्नौज-उ.प्र.। महाशिवरात्रि पर 'द्वादश ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला' का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए नगर के चेयरमैन शैलेन्द्र अग्निहोत्री, ब्र.कु. विद्या बहन, ब्र.कु. भावना, ब्र.कु. रामा तथा अन्य।

पुरुषार्थी कहीं रुक नहीं जाता

- गतांक से आगे...

जितना हम ज्ञान की धारणा करते जाते हैं, उतना हमारे मन के प्रश्नों का समाधान होता जाता है। उतना ही मन संतुष्ट और प्रसन्न हो जाता है। संतुष्टता का ये भाव नहीं है कि बस अब हमें कुछ जानने की ज़रूरत नहीं। ये संतुष्टता की स्थिति नहीं है। लेकिन संतुष्टता की स्थिति अर्थात् जैसे व्यक्ति पैदल चल रहा है अपनी मंज़िल पर पहुंचने के लिए, बहुत प्यास लगी है उसको, उसने पानी पिया। जैसे ही पानी मिला वह तृप्त हो गया। लेकिन तृप्त होकर वहाँ वह बैठ नहीं जाता है। अपनी मंज़िल का उसको सम्पूर्ण ज्ञान है। पुनः अग्रसर हो जाता है अपनी मंज़िल की ओर। संतुष्ट होकर, मंज़िल की ओर आगे बढ़ता है।

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

ठीक इसी तरह पुरुषार्थी जब पुरुषार्थ करता है तो पुरुषार्थ करने के साथ ही, जब-जब बीच में संशय उत्पन्न करने वाले प्रश्न उठते हैं और जब उनका समाधान होता है तो आत्मा संतुष्टता, प्रसन्नता की स्थिति का अनुभव करती है। उसके साथ ही आगे जीवन में पुरुषार्थ करने की प्रेरणा उसको उसी में से प्राप्त होती है तथा पुरुषार्थ में वो अग्रसर हो जाता है। आगे बढ़ जाता है। इसको कहते हैं आत्म-तृप्ति की अवस्था। पुरुषार्थी कभी भी आलस्य में नहीं आता है। पुरुषार्थी नित्य प्रगति की ओर आगे बढ़ता है। इस तरह से जीवन में आगे बढ़ने की विधि क्या है, वह परमात्मा ने इस अध्याय में हमें स्पष्ट की है।

पुरुषार्थ हेतु योगाभ्यास करने के लिए...

जैसे-जैसे आपको विचार मिलते जाएं, आप अपने मन के अंदर उन विचारों का निर्माण करते जायें। इतना ही नहीं लेकिन उन विचारों के निर्माण के साथ-साथ उन भावनाओं को भी अंदर में उत्पन्न करते चलें। जितना भावनाओं को उत्पन्न करते चलेंगे, तो महसूस करना आसान हो जायेगा, सहज, स्वाभाविक हो जायेगा। तो इसलिए चलते हैं, हम अब ध्यान की ओर और जैसे परमात्मा ने अर्जुन को कहा कि अनन्य भाव से तुम अपने मन को मेरे में लगाओ। ऐसे अपने मन को बाह्य सभी बातों से समेट लें। अपने मन के अंदर शुभ संकल्पों का निर्माण करें। - क्रमशः

दिल्ली-पालम कॉलोनी। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित शिव संदेश शोभा यात्रा द्वारा ईश्वरीय संदेश देते ब्र.कु. भाई बहनें।

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel

TATA Sky 1065 airtel digital TV 678
videocon d2h 497 RELIANCE Digital TV 640
FASTWAY GTPL DEN hathway UCN DIGICABLE SITI

Free to Air
ABS FREE DTH
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E

Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhavan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ख्यालों के आईने में...

मुस्कुराहट वो हीरा है, जिसे आप बिना खरीदे पहन सकते हैं। और जब तक यह हीरा आपके पास है, आपको सुंदर दिखने के लिए किसी और चीज़ की ज़रूरत नहीं है।

जीवन में कुछ तो सहन करना सीखना ही चाहिए...
क्योंकि
हममें भी ऐसी बहुत सी कमियाँ हैं
जिन्हें दूसरे सहन करते हैं।

अच्छे इंसान की सबसे पहली और सबसे आखिरी निशानी ये है कि वो उन लोगों की भी इज़्ज़त करता है
जिनसे उसे किसी किस्म के फायदे की उम्मीद नहीं रहती।

शब्दों और सोच का ही अहम किरदार होता है दूरियां बढ़ाने में
कभी हम समझ नहीं पाते हैं
और कभी समझा नहीं पाते हैं।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए
सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये ।
विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।